SET – B

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकण्डरी परीक्षा वर्ष 2009

केन्द्र क्रमांक की सील

केन्द्र क्र. 32

पर्यवेक्षक/केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में एक अंकों में 1

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक 1 में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम ____ पद ____

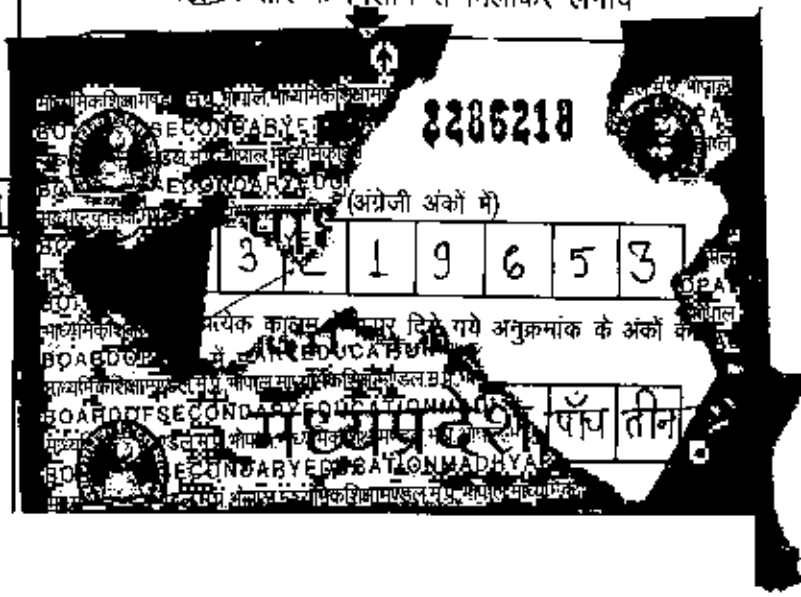

पता/संस्था ____

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं। 1

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 130 परीक्षा का विषय राजनीतिविज्ञान
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक 23/03/2009
3. परीक्षार्थी-प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें

कोड	सेट
U-2034	B

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

8286218

(अंग्रेजी अंकों में)

3	2	1	9	6	5	3

प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों को ...

... पाँच तीन

SPECIMEN

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्ति... चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन कि... पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक स...

हस्ताक्षर (परीक्षक) हस्ताक्षर (उपमुख्य...

परीक्षक क्रमांक 9440463 दिनांक........ दिनांक........

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास' किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

3 योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक =

प्रश्न → 1
उ० →

(i) भारतीय संविधान के लागू होने की तिथि 26 जनवरी 1950 है।

(ii) आजादी से पूर्व भारत में साक्षरता सिर्फ 15.2 प्रतिशत थी।

(iii) गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का दसवाँ शिखर सम्मेलन इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में सम्पन्न हुआ।

(iv) अन्तर्राष्ट्रीय न्यायलय में 15 न्यायधीश होते हैं।

(v) आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य उत्पादन के अवसरों में वृद्धि करना।

SEMP

प्र० → 2
उ० →

(अ) 2 वर्ष 11 माह 18 दिन।

(ब) 27 %

(स) आठवें।

(द) नीली।

(इ) 9 %

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न → 3
उ. →
(i) सत्य ।
(ii) सत्य ।
(iii) असत्य ।
(iv) सत्य ।
(v) असत्य ।

प्रश्न → 4
उ. →

'अ'	'ब'
(अ) प्रथम पंचवर्षीय योजना	1951 से 1956
(ब) क्षेत्रीय असन्तुलन का कारण	आर्थिक स्थिति
(स) अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
(द) आसियान संगठन का मुख्यालय	जकार्ता
(इ) संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना	24 अक्टूबर 1945

BSEM

पृष्ठ के अंकों का योग

5

योग ५.५ २ -

प्रश्न ⇒5

उ० ⇒ (i) 395 अनुच्छेद ।

(ii) ~~सन्~~ 8 सितम्बर 1962।

(iii) श्रीलंका ।

(iv) चार्टर ।

(v) आर्थिक समायोजन ।

B S E M P

उ० ⇒ भारत विभाजन के कारण निम्नलिखित है—

1. मुस्लिमों की साम्प्रदायिक भावना ⇒ मुस्लिमों की साम्प्रादायिक भावना के चलते ही भारत के विभाजन की समस्या का उद्भव हुआ क्योंकि मुस्लिम वर्ग हिन्दूओं के प्रति विश्वास भावना नही रखते थे।

2. अंग्रेजों द्वारा मुस्लिमों की साम्प्रादियक भावना का प्रोत्साहन ⇒

मुस्लिम की ~~सम्प्रादि~~ साम्प्रादायिक भावना यदि किसी स्थिति में कम भी होती हैं तो अंग्रेज इस कमी करने ~~करने~~ नही देते हैं। और वो साम्प्रादायिक भावना में वृद्धि के प्रयास में लगे रहते थे। क्योंकि यदि वो ये न करते तो वो भारत में कहा टिक पाते।

P.T.O

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ

3. कांग्रेस की मुस्लिमों के प्रति तुष्टीकरण की नीति ⇒

भारत विभाजन के प्रमुख कारणों में से एक ये भी कारण हैं कि कांग्रेसी सरकार मुस्लिमों को तुष्ट करने की नीति अपनाई जो कि भारत विभाजन का कारण बनी।

4. अन्तरिम सरकार में मुस्लिमों का प्रवेश ⇒ अन्तरिम सरकार में मुस्लिम सदस्यों की बहुलता के कारण भी मतभेद के चलते भारत का विभाजन हो सका।

भारत विभाजन के ये उपरोक्त कारण मुख्य थे।

प्रश्न ⇒ 7
उ० ⇒ नियोजन से आशय ⇒ नियोजन का अर्थ है किसी कार्य को नियोजित ढंग से करना।

राबिन्सन के शब्दों में ⇒ "नियोजन का उद्देश्य कार्य, चुनाव व निर्धारण करना है।"

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृ०
मध्यप्रदेश

नियोजन के उद्देश्य निम्न लिखित हैं—

① आय व रोजगार के अवसरों वृद्धि ⇒ नियोजन का उद्देश्य आय व रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना हैं क्योंकि इसी भारत की आर्थिक गति तेज हो पायेगी।

② आय का समान वितरण ⇒ नियोजन का उद्देश्य आय के समान वितरण से है क्योंकि जब आय का समान वितरण होगा तभी नियोजन सम्भव हो सकेगा।

③ प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग ⇒ नियोजन का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करना है क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग ही लाभ दायक हैं।

④ आर्थिक समानता ⇒ नियोजन के उद्देश्यों में से आर्थिक समानता भी एक महत्व पूर्ण घटक हैं। क्योंकि ये काफी उपयोगी हैं।

BSEMP
पृष्ठ के अंकों का योग

योग पृष्ठ पृ०

प्रश्न ⇒ 9
उ० ⇒

नारीवादी आन्दोलन ⇒ इस पितृसत्ता के वाले समाज में नारियों का मुक्ति आन्दोलन ही नारीवादी आन्दोलन है।

" पर्ल एस सेम्यूलस के अनुसार — इस समाज में पुरुष के समकक्ष स्थान दिलाने के उद्देश्य से जिस आन्दोलन का गठन किया गया वो नारीवादी आन्दोलन है। "

नारीवादी आन्दोलन के निम्न प्रकार हैं—

1. उदारवादी नारीवाद ⇒ इसमें महिलाओं की पुरुषों पर से निर्भरता को कम करते ही उदारवादी नारीवाद कहलाता है।

2. अतिवादी नारीवाद ⇒ अतिवादी नारीवाद से अभिप्राय महिलाओं को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए अग्रसर है।

3. समाजवादी नारीवाद ⇒ समाजवादी नारीवाद में महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने पर जोर दिया गया है ताकि महिलाएँ पूर्ण रूपेण सक्षम हो सकें।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

य

B S E M F

प्रश्न=>२१

उ० => अ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष => अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना 27 दिसम्बर 1945 में की गयी थी। तथा यह पूर्ण रूपेण कार्य 1946 से किया।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के स्थापना के उद्देश्य निम्नांकित हैं। —

1. अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा => अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा का की स्थापना का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि मौद्रिक कार्य रुकें नहीं। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष मौद्रिक सहायता से खोला गया था।

2. आय व रोजगार के अवसरों में वृद्धि => अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना का उद्देश्य आय व रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना हैं क्योंकि आय व रोजगार मूलभूत आवश्यकताओं में से एक हैं।

3. विनिमय स्थिरता को बढ़ावा देना => अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विनिमय स्थिरता को बढ़ावा देना चाहता हैं। क्योंकि इसके बिना देश का विकास सम्भव नहीं हैं।

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

4. विनिमय प्रतिबन्धों को हटाना ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विनिमय प्रतिबन्धों को सीमित करने का भी कार्य करता है। क्योंकि इससे आर्थिक प्रगति अवरुद्ध हो जाती है।

5. सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय साधन उपलब्ध करवाना ⇒

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष वित्तीय सहायता अर्थात ऋण आदी सेवाओं का भी क्रियान्वयन करता है। जिससे हमारा मैत्री पूर्ण सम्बन्ध स्थापित रहें।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्य निम्नलिखित हैं।

1. ऋण प्रदान करना ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा ~~कोर्य~~ कोष का मुख्य कार्य जरूरतमन्द देशों को ऋण प्रदान करना है।

2. विनिमय दर 10% से कम नहीं ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष विनिमय दर पर 10% से कम पर कार्य नहीं करता है।

3. ब्याज की दर ⇒ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ब्याज की दर पर कार्य करता है। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष अनेक कार्य भी करता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 20
उ० ⇒ भारतीय संविधान ⇒ भारतीय संविधान का निर्माण 26 जनवरी 1950 में हुआ। इसका निर्माण संविधान सभा द्वारा किया गया। भारतीय संविधान 395 अनुच्छेद हैं। भारतीय संविधान अन्य देशों की अपेक्षा अधिक बड़ा हैं। इसका निर्माण कैबिनेट मिशन 1946 के अन्तर्गत किया गया।

भारतीय संविधान की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

1. लिखित संविधान ⇒ भारतीय संविधान एक अत्यन्त विस्तृत संविधान में से एक हैं। भारत का संविधान पत्र पर लिपिबद्ध हैं। अर्थात लिखित संविधान हैं।

2. लचीला संविधान ⇒ भारत का संविधान लचीला है अर्थात परिवर्तन शील हैं। लचीला संविधान एक अत्यन्त आदर्श संविधान है कि क्योंकि परिवर्तन उसमें सम्भव हैं। यदि लचीला पन ना होता तो भारत का संविधान एक कठोर संविधान का स्वरूप होता।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

मध्यप्रदेश

5. जन सम्प्रभुता का समावेश ⇒ भारतीय संविधान में जन सम्प्रभुता पर आधारित है। यह जन कल्याण की भावना से परिपूर्ण है।

4. संसदात्मक शासन प्रणाली ⇒ भारतीय संविधान की दो सपने हैं कार्यपालिका तथा व्यवस्थापिका इन दोनों के सामन्जस्य द्वारा ही भारत की संसदात्मक शासन प्रणाली ही समन्वित है।

5. धर्म निरपेक्ष राज्य की मान्यता पर आधारित ⇒

धर्म निरपेक्ष राज्य की मान्यता पर आधारित है। संविधान द्वारा धर्म निरपेक्ष राज्य का गठन किया गया है।

6. नीति निर्धारक तत्वों का समावेश ⇒ भारतीय संविधान में ~~के~~ नीति निर्धारक तत्वों का भी समावेश कर दिया गया है क्योंकि भारत का संविधान आदर्शात्मक संविधान का ताका है।

B S E M

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 19
उ० ⇒ निशस्त्रीकरण का अर्थ ⇒ निःशस्त्रीकरण का अर्थ शस्त्रों की समाप्ति से हैं।

होरेस प्लंकेट के अनुसार ⇒ निःशस्त्रीकरण से आशय कुछ विशेष शस्त्रों के निर्माण पर रोक से हैं।

निःशस्त्रीकरण के प्रकार निम्नलिखित हैं—

① सामान्य निशस्त्रीकरण ⇒ सामान्य निशस्त्री करण से हमारा आशय कुछ साधारण शस्त्रों के निर्माण पर रोक।

② समग्र निशस्त्रीकरण ⇒ समग्र निःशस्त्रीकरण में अधिकांश शस्त्रों पर रोक लगा दी जाती हैं।

③ गुण परक निःशस्त्रीकरण ⇒ गुण परक निःशस्त्री करण से आशय गुण के आधार पर शस्त्री करण पर रोक लगाना।

④ परिमाणात्मक निःशस्त्रीकरण ⇒ परिमाणात्मक निशस्त्रीकरण से हमारा आशय परिमाणात्मक आधार पर शस्त्रीकरण पर प्रतिबन्ध।

P.T.O.

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ

(5) समीक्षात्मक निःशस्त्रीकरण ⇒ समीक्षात्मक निःशस्त्रीकरण से आशय समीक्षा के आधार पर निःशस्त्रीकरण करना।

(6) परिवेक्षात्मक निःशस्त्रीकरण ⇒ परिवेक्षात्मक निःशस्त्रीकरण से आशय परिवेक्षात्मक के आधार पर निःशस्त्रीकरण।

LSEMP

प्रश्न ⇒ 18

उ० ⇒ भारत श्रीलंका मतभेद के चार कारण निम्नलिखित है —

(1) तमिल आवास समस्या ⇒ भारत तथा श्रीलंका के ~~समाज~~ सम्बन्धों में मतभेद उस समय हुआ जब तमिल शरणार्थी भारत छोड़ कर श्रीलंका गए। जिससे दोनों देशों के मध्य मतभेद की स्थिति निर्मित हो गयी।

(2) कच्छ द्वीप समस्या ⇒ भारत तथा श्रीलंका के मध्य कच्छ द्वीप को लेकर भी भारत तथा श्रीलंका के मध्य मतभेद उत्पन्न हुआ।

पृष्ठ के अंकों का योग

③ हिन्द महासागर का परिसीमन ⇒ हिन्द महासागर का भौगोलिक दृष्टि अत्यधिक महत्व पूर्ण स्थान है। अतः भारत हिन्द महासागर पर अपना क्षेत्र स्थापित करना चाहता था जिसके कारण भारत तथा श्रीलंका के मध्य मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो गयी।

④ सीमा विवाद ⇒ भारत तथा श्रीलंका के मध्य सीमा विवाद का भी मसला उल्लेखनीय है क्योंकि सीमा विवाद के चलते भारत तथा श्रीलंका के मध्य रिश्तों में खटास पैदा हो गयी। श्रीलंका ने फिर बाद में इन समस्या पर विचार विमर्श किया और फिर 1990 के दशक में अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के प्रयास किए।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 15
उ० ⇒ तनाव शैथिल्य का आशय ⇒ शीत युद्ध के मध्य में तनाव शैथिल्य से हमारा आशय शीत युद्ध में कमी।

बर्नार्ड बारुश के अनुसार ⇒ ~~ऐसे~~ तनाव शैथिल्य शांति पूर्ण व सहअस्तित्व की नीति है।

~~तथ~~ तनाव शैथिलता का प्रभाव ~~निम्न~~ निम्नलिखित है ←

① शीत युद्ध में कमी ⇒ तनाव शैथिलता से आशय मतभेदों मे समानता है। ~~व~~ तनाव शैथिलता के कारण शीत युद्ध मे कमी हुई है।

② विश्व शांति को प्रोत्साहन ⇒ तनाव शैथिलता के कारण विश्व शांति को प्रोत्साहन मिला।

③ निरस्त्रीकरण पर बल ⇒ तनाव शैथिलता की वजह से निरस्त्रीकरण पर भी वृद्धि हुयी। तनाव शैथिल्य द्वारा निःशस्त्रीकरण सम्भव हो सका।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ

(4) परस्पर आत्मीय सहयोग की भावना में वृद्धि ⇒

तनाव शैथिल्यता की वजह से आज भारत, रूस, अमेरिका, चीन आदि देशों में एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना में वृद्धि हुई है।

(5) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन में सहायक ⇒ गुटनिरपेक्ष आन्दोलन को सहायता तनाव शैथिल्यता के कारण मिली।

B
S
E
M
P

प्रश्न-11
उ०-

पर्यावरण से आशय ⇒ पर्यावरण ग्रीक भाषा के परि और आवरण शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ है चारों ओर का घेरा जो मानव समुदाय अर्थात वायुमण्डल को चारों ओर से घेरे हुए है।

पर्यावरण प्रदूषण के कारण निम्नलिखित हैं—

(1) भौतिक विकास पर बल ⇒ पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण भौतिक विकास है। जो पर्यावरण को प्रभावित करता है।

पृष्ठ के अंकों का योग

P.T.O.

(2) औद्योगीकरण का तीव्र विकास ⇒ पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण औद्योगीकरण करण का विकास है क्योंकि औद्योगिक क्रियाकलाप पर्यावरण प्रदूषण में सहायक होते हैं।

(3) वनों का विनाश ⇒ पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण वनों का विनाश भी है।

(4) ~~असुंत्ति~~ असन्तुलित विकास की प्रवृत्ति ⇒ पर्यावरण प्रदूषण का एक कारण असन्तुलित विकास की प्रवृत्ति भी है जिसके चलते हमारा पर्यावरण प्रदूषित होता है।

(5) मानवीय क्रियाकलाप ⇒ पर्यावरण को प्रदूषित करने का कुछ कार्य मानव की दैनिक क्रियाकलापों की वृद्धि से भी होता है।

BSEMP

प्रश्न ⇒ 14

उ० ⇒ अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा किये गये प्रयास निम्न लिखित है। —

① आरक्षण की सुविधा ⇒ अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के विकास हेतु नौकरी आदि में इन जातियों को आरक्षण की सुविधाएँ दी गयी हैं।

② विदेशी छात्र वृत्तियाँ प्रदान ⇒ शासन द्वारा इन जातियों को विदेश में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति योजना चलाई जाती हैं।

③ दसवीं के बाद छात्रवृत्तियाँ ⇒ शासन इनके विकास हेतु दसवीं के बाद भी छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना बनायी हैं।

④ प्रशिक्षण की सुविधाएँ ⇒ सरकार द्वारा इनके उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देने का कार्य भी करती हैं। प्रशिक्षण देना सरकारी कर्मचारी का काम होता हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(5) गैर सरकारी समितियों को ~~योग~~ अनुदान प्रदान करना ⇒

गैर सरकारी समितियों को अनुदान प्रदान करना शासन का ही एक कार्य है क्योंकि ये सभी इन जातियों का उत्थान करने में सहायक हैं।

प्रश्न 15

उ. ⇒ आर्थिक असमानता दूर करने के उपाय निम्नलिखित हैं —

1. साक्षरता दर में वृद्धि ⇒ आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए साक्षरता दर में वृद्धि करनी चाहिए।

2. आय व रोजगार के समान अवसर ⇒ आय व रोजगार के समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

3. जीवन स्तर में वृद्धि ⇒ जीवन स्तर में वृद्धि करने पर आर्थिक असमानता को दूर किया जा सकता है।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(4) आर्थिक विषमता में कमी ⇒ आर्थिक विषमता में कमी के अनुरूप आर्थिक असमनता को दूर किया जा सकता है।

(5) आर्थिक स्थिति ⇒ आर्थिक स्थिति को सुधार कर आर्थिक असमानता को दूर किया जा सकता है।

B S E M P

प्रश्न ⇒ 1

उ० ⇒ कश्मीर समस्या के उद्‌भव के कारण — कश्मीर समस्या के उद्‌भव का मुख्य कारण भारत तथा पाकिस्तान का विभाजन। उसके बाद राज्य विलीनी करण की समस्या उसके उपरान्त श्री हरि सिंह की स्वतंत्र रहने की नीति, पाकिस्तान द्वारा किया गया कबाइली आक्रमण 22 अक्टूबर 1946 में इन सभी कारणों के चलते कश्मीर समस्या का उद्‌भव हुआ तथा दोनों की सामरिक स्थिति, जनमत संग्रह, विलय पत्र में हस्ताक्षर आदि कारण भी कश्मीर समस्या के विलय के कारण हैं। कश्मीर का 53,000 वर्ग मील का हिस्सा भारत में है तथा 42,000 वर्ग मील का हिस्सा पाकिस्तान

P.T.O.

द्वारा अधिकृत है जिसे वो आजाद कश्मीर की संज्ञा देते हैं।

इसके समाधान हेतु संयुक्त राष्ट्र की भूमिका —

(1) संयुक्त राष्ट्र में भारत द्वारा कश्मीर समस्या का अनुच्छेद 39 अध्याय 6 के अन्तर्गत कश्मीर समस्या का मामला पेश किया।

(2) संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पाकिस्तान पर हथियारों की आपूर्ति कम कर दी गयी।

(3) संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पाकिस्तान को चेतावनी आदी दी गयी ताकि पाकिस्तान उस मामलों पर हस्तक्षेप न कर सकें।

(4) संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत का समर्थन कि किया।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 12

उ० ⇒ आर्थिक उदारीकरण के चार उद्देश्य—

(1) वस्तुओं के विकल्प खोजने की छूट ⇒ वस्तुओं के विकल्प को खोजने के लिए अर्थव्यवस्था में अनेक चीजों की आवश्यकता होती हैं।

(2) आर्थिक प्रगति में सहायक ⇒ आर्थिक उदारीकरण आर्थिक प्रगति में सहायता करता हैं।

(3) उपभोक्ता की को लाभ ⇒ आर्थिक उदारीकरण से अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का लाभ प्रदान करना।

(4) व्यापार की तीव्र गति ⇒ आर्थिक उदारीकरण की नीति द्वारा व्यापार के गति में भी वृद्धि होती है क्योंकि व्यापार द्वारा ही आर्थिक प्रगति सम्भव है।

अतः आर्थिक उदारीकरण विकसित देश का स्वनिल कहा जा सकता हैं।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न ⇒ 10
उ० ⇒ गुटनिरपेक्षता का अर्थ ⇒ गुटनिरपेक्षता का अर्थ है नीति युद्धों के परिपेक्ष्य महाशक्तियों से समान दूरी से है।

इसे " निर्णय की स्वतंत्रता " द्वारा भी परिभाषित किया जाता है।
भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति निम्न लिखित कारणों से अपनाथी —
1. विश्व शांति में अपनी भूमिका का निर्वाह ⇒ विश्व शांति में भारत अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहता था अतः उसने गुट निरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया।

2. एकीकृत विश्व का संकल्प ⇒ भारत द्वारा एकीकृत भारत का संकल्प लिया गया था जिसके कारण भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया।
3. अपनी विशिष्ट पहचान बनाने का इच्छुक

भारत चूँकि नवोदित राष्ट्रों में से एक था अतः उसने अपनी विशिष्ट पहचान

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

पूरक उ.पु. 4 पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

1. केन्द्र की सील केन्द्र — [illegible] परीक्षा [illegible] 2 [illegible] परीक्षक के लिये

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

2. पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर व दिनांक [illegible] 23/3/10

3. केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर की सील

4. केन्द्र क्रमांक 321116

6. परीक्षा का नाम हायर सेकेण्डरी

7. विषय राजनीति विज्ञान 8. माध्यम हिन्दी

8. दिनांक 23/03/10

पृष्ठ

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

बनाने की नीति अपनायी जिसके कारण भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति का अनुसरण किया।

4. आर्थिक सहायता हेतु ⇒ भारत चूंकि नवस्वतंत्र राष्ट्र था अतः उसे आर्थिक सहायता हेतु दोनों राष्ट्रों से सहायता का इच्छुक था जिसके कारण भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति का अनुसरण किया।

5. अपनी निर्णय की स्वतंत्रता को बरकरार रखने के लिये —

उपरोक्त दिये गए कारण के चलते भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनायें।

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

2

प्रश्न → 1
उ० → भारत अमेरिका सम्बन्ध अनिश्चत हैं। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि भारत तथा अमेरिका के सम्बन्ध कभी मधुर तथा कभी तनाव पूर्ण रहते हैं।

अमेरिका जहाँ भारत के द्वारा किये गए 1998 में परमाणु परीक्षण से नाराज रहता है वही भारत पाकिस्तान को की ~~हथियार~~ हथियार पूर्ति पर भारत अमेरिका से खराब सम्बन्ध की प्रस्तावना की पूर्ति हेतु अमेरिका तथा भारत दोनों के सम्बन्धों में खटास पैदा हो जाती हैं।

सन् 2001 में जब पाकिस्तान द्वारा ~~भारत~~ अमेरिका में आतंकवादी हमला किया गया तब अमेरिका भी पाकिस्तान का विरोध करने लगा तब से अमेरिका और भारत के सम्बन्ध मधुर हो गये हैं।

उपरोक्त कारणों के कारण ही भारत और अमेरिका के सम्बन्ध अनिश्चित रहे हैं। परन्तु आज के समय में भारत तथा अमेरिका सम्बन्ध सुदृढ़ होगए हैं।

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

ExaminationAns051.pm5

(3)

योग

प्रश्न ⇒ 8
उ० ⇒ क्षेत्रीय असन्तुलन के कारण—

① साक्षरता दर में कमी।
② आर्थिक स्थिति।
③ जीवन स्तर का निम्न होना।
④ आय व रोजगार स्तर की असमानता।

① साक्षरता दर में कमी ⇒ क्षेत्रीय असन्तुलन के कारणों में प्रमुख कारण साक्षरता दर की कमी है।

② आर्थिक स्थिति ⇒ क्षेत्रीय असन्तुलन के कारणों में से आर्थिक स्थिति का खराब होना भी एक कारण है। आर्थिक स्थिति एक महत्वपूर्ण कारक है।

③ जीवन स्तर का निम्न होना ⇒ क्षेत्रीय असन्तुलन का एक कारण जीवन स्तर का।

④ आय व रोजगार स्तर की असमानता ⇒ आय व रोजगार स्तर की असमानता क्षेत्रीय असन्तुलन का।

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग

Examination\Ans081.pm5

(4)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 4 के अंक = कुल अंक

BSEMP

... का योग